Roll No. ....

AH–6202

B. Sc. (Second Semester)

Ability Enhancement Course (AEC-03)

EXAMINATION, May-June, 2025

HINDI LANGUAGE

Time : Two Hours

Maximum Marks : 35

नोट : खण्ड 'अ' के प्रश्न क्रमांक 1 में **पाँच** अति लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक निहित है। प्रश्न क्रमांक 2 में **पाँच** लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निहित हैं।

P. T. O.

खण्ड 'ब' में आठ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं जो प्रत्येक इकाई से 2 हैं। इनमें से एक हल करना अनिवार्य है। प्रत्येक हल किए गए प्रश्न के लिए 5 अंक प्रदान किए जाएँगे।

खण्ड—'अ'

1. दिए गए प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर (**एक** शब्द में) दीजिए :

$1 \times 5 = 5$

(i) 'भारत वंदना' कविता किस चेतना पर आधारित है ?

(ii) हरिशंकर परसाई किस विधा के लिए प्रसिद्ध माने जाते हैं ?

(iii) स्वर संधि के कितने प्रकार होते हैं ?

(iv) वाक्यांश ज़ो अपने विशेष अर्थ को व्यक्त करता है वह क्या कहलाता है ?

(v) संकेत बिन्दु का प्रयोग किस लेखन विधा में किया जाता है ?

2. दिए गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निहित हैं : 2×5=10

(i) 'चोरी और प्रायश्चित' निबन्ध का शैक्षिक उद्देश्य क्या है ?

(ii) समश्रुत शब्द क्या हैं ? दो उदाहरण दीजिए।

(iii) पदनाम क्या है ? इसका उपयोग बताइए।

(iv) निबन्ध की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(v) अपठित गद्यांश क्या है ?

खण्ड—'ब'

निर्देश : दिए गए प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दीजिए।

इकाई—1

3. 'भारत वंदना' कविता का सार समझाइए।

अथवा

4. 'भोलाराम का जीव' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? विस्तार से वर्णन कीजिए।

इकाई—2

5. समास को समझाते हुए इसके प्रकारों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

6. प्रत्यय से आप क्या समझते हैं ? यह कितने प्रकार का होता है ? समझाते हुए **दो-दो** उदाहरण दीजिए।

इकाई—3

7. मुहावरों का सम्प्रेषण में क्या उपयोग है ? **तीन** उदाहरण देकर इसे विस्तार से समझाइए।

अथवा

8. लोकोक्ति की उत्पत्ति की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए इसकी उपयोगिता को विस्तार से समझाइए व **तीन** उदाहरण दीजिए।

इकाई—4

9. 'विद्यार्थी जीवन में समय प्रबंधन' पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

अथवा

10. दिए गए गद्यांश को पढ़कर उसका शीर्षक व सारांश लिखिए :

पुस्तकें हमारे जीवन की सबसे अच्छी साथी होती हैं। जब भी हमें उनकी आवश्यकता होती है वे हमारे लिए उपलब्ध होती हैं। पुस्तकें हमारी आसपास की दुनिया को समझने एवं सही व गलत के बीच निर्णय लेने में हमारी मदद करती हैं। पुस्तकें इंसान के सच्चे और अच्छे मित्र की भूमिका निभाती हैं। वे केवल हमारे ज्ञान की साथी ही नहीं हैं बल्कि वे हमारी विचारधारा को विकसित व सशक्त करने में सक्रिय योगदान देती हैं। पुस्तकों से जहाँ एक ओर मनोरंजन व सीख प्राप्त होती है वहीं वे हमारे आदर्श, मार्गदर्शक व सर्वकालिक शिक्षक होती हैं। पुस्तकों का महत्व इस बात में है कि पुस्तकें पढ़ने से हमारे व्यक्तित्व में गुणात्मक परिवर्तन आता है। वे हमारे लक्ष्य पर ध्यान केंन्द्रित करने में मदद करती हैं, साथ ही

यथासमय लक्ष्यप्राप्ति में भी मददगार होती हैं। हममें से कई लोगों को अपने खाली समय में या सोने से पहले पुस्तकें पढ़ने की आदत होती है क्योंकि पढ़ने से अवांछित तनाव पर क़ाबू पाने में भी मदद मिलती है। ये हमें सुकून की दुनिया में ले जाती हैं तथा निःस्वार्थ भाव से हमारे ज्ञान व रचनात्मकता को बढ़ाती हैं।

× × × × ×